लार्जकैप योजनाओं में रिकॉर्ड निवेश

पिछले महीने लार्जकैप, फ्लेक्सीकैप फंडों में अब तक का सर्वोच्च निवेश हासिल हुआ

अभिषेक कुमार
मुंबई, 15 नवंबर

शेयर बाजार में गिरावट के बीच अक्टूबर के दौरान लार्जकैप केंद्रित म्युचुअल फंडों की दो श्रेणियों- फ्लेक्सीकैप फंडों और लार्जकैप फंडों में निवेशकों की दिलचस्पी में बढ़ोतरी नजर आई। दोनों ही श्रेणियों ने पिछले महीने अब तक का सर्वोच्च निवेश हासिल किया। अपने कोष का कम से कम 80 फीसदी बड़ी कंपनियों में निवेश करने वाले लार्जकैप फंडों ने अक्टूबर में 3,452 करोड़ रुपये का निवेश हासिल किया जबकि फ्लेक्सीकैप योननाओं में कुल निवेश 5,181 करोड़ रुपये रहा।

इन दोनों श्रेणियों में शामिल योजनाओं को अन्य इक्विटी योजनाओं के मुकाबले कम जोखिम भरा माना जाता है जिसकी वजह लार्जकैप की ओर इनका झुकाव होता है। वैसे फ्लेक्सीकैप योजनाएं अपने कोष का कितना भी अनुपात लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में आवंटित करने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन ज्यादातर फंड सामान्यतः लार्जकैप में करीब 60 फीसदी निवेश रखते हैं।

फ्लेक्सीकैप और लार्जकैप फंडों में पिछले महीने निवेश 8,633 करोड़ रुपये रहा, जो सितंबर 2024 के आंकड़ों के मुकाबले 73 फीसदी ज्यादा है। बाजार के बदलते हालात के कारण निवेशकों की दिलचस्पी में वृद्धि हुई।

फिर होने लगी मांग

माह	शुद्ध निवेश (करोड़ रुपये)	
	फ्लेक्सीकैप	लार्जकैप
नवंबर 2023	1668	307
दिसंबर 2023	1087	-281
जनवरी 2024	2447	1287
फरवरी 2024	2613	921
मार्च 2024	3684	3534
अप्रैल 2024	2173	358
मई 2024	3155	663
जून 2024	3059	970
जुलाई 2024	3053	670
अगस्त 2024	3513	2637
सितंबर 2024	3215	1769
अक्टूबर 2024	5181	3452

स्रोत : एम्फी

अक्टूबर में प्रमुख बेंचमार्क सूचकांकों ने मार्च 2020 के बाद से सबसे बड़ी मासिक गिरावट दर्ज की और निफ्टी-50 में 6.2 फीसदी और सेंसेक्स में 5.8 फीसदी की गिरावट आई।

मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के सहायक निदेशक हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि निवेशकों ने हर तरह के फंडों में रुचि दिखाई। हालांकि लार्जकैप, मल्टीकैप, लार्ज ऐंड मिडकैप और फ्लेक्सीकैप जैसी लार्जकैप निवेश वाली अहम श्रेणियों में नए सिरे से रुचि देखी जा सकती है। यह देखते हुए कि मिडकैप और स्मॉलकैप के मुकाबले लार्जकैप वर्तमान बाजार परिदृश्य में मूल्यांकन के नजरिए से अच्छी स्थिति में है, इसलिए लार्जकैप की ओर कुछ पुनर्संतुलन हो सकता है। इसका मतलब यह नहीं है कि मिड और स्मॉलकैप श्रेणियां काफी पीछे रहीं। उनमें भी मजबूत निवेश आया।

स्मॉलकैप और मिडकैप फंडों में निवेश की गति तेज बनी रही और दोनों श्रेणियों ने मिलकर 8,455 करोड़ रुपये जुटाए। अधिकांश अन्य श्रेणियों की तुलना में नए निवेश खातों की संख्या भी बहुत अधिक थी।

लार्जकैप और फ्लेक्सीकैप योजनाओं को पिछले दो वर्षों में अधिकांश महीनों में निवेश जुटाने के लिए संघर्ष करना पड़ा क्योंकि निवेशकों ने ऊंचे प्रदर्शन वाले स्मॉलकैप, मिडकैप और थीमेटिक फंडों को चुना। ऐसा तब हुआ जब विशेषज्ञ मिडकैप, स्मॉलकैप और कुछ क्षेत्रों में ऊंचे मूल्यांकन को लेकर आगाह कर रहे थे और निवेशकों को लार्जकैप चुनने की सलाह दे रहे थे। निवेशकों को दिए हाल में भेजे संदेश में म्युचुअल फंड अभी भी उसी सलाह पर कायम हैं।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल फंड ने अपनी नवीनतम फैक्टशीट में कहा है कि हालांकि भारत के आर्थिक हालात मजबूत नजर आ रहे हैं, लेकिन मूल्यांकन सस्ते नहीं हैं। मिडकैप और स्मॉलकैप की तुलना में मेगा-कैप और लार्ज कैप का मूल्यांकन उचित है। जो निवेशक इक्विटी निवेश चाहते हैं, उन्हें लार्जकैप ओरिएंटेड स्कीम या लचीली मैंडेट स्कीम या उन स्कीमों पर ध्यान देना चाहिए जो भारी उतार-चढ़ाव का प्रबंधन कर सकें।

ट्रंप की जीत के बाद चीन पर सीएलएसए का नजरिया बदला

एशिया प्रशांत पोर्टफोलियो में भारत फिर सबसे बड़ा 'ओवरवेट'

सुंदर सेतुरामन
मुंबई, 15 नवंबर

सीएलएसए ने चीन पर अपना ओवरवेट नजरिया वापस ले लिया है। अमेरिका में सत्ता परिवर्तन के बीच एक बार फिर भारत पर 'ओवरवेट' रुख की सिफारिश की है। चीन के प्रोत्साहन उपायों की वजह से सीएलएसए ने अपने एशिया पैसिफिक आवंटन में चीन पर 'ओवरवेट' रुख अपना लिया था और भारत में अपने निवेश को कम कर दिया था।

हालांकि अमेरिकी चुनाव में डॉनल्ड ट्रंप की जीत ने ब्रोकरेज फर्म को फिर से सोचने के लिए मजबूर कर दिया है। उसने चीन को अब 'इक्वल वेट' रेटिंग दी है जबकि भारत को सबसे बड़ा 'ओवरवेट' किया है। सीएलएसए का मानना है कि चीन की ताजा आर्थिक चिंताओं (इनमें अमेरिका के साथ व्यापारिक तनाव और संपत्ति की घटती कीमतें भी शामिल) से चीन के इक्विटी बाजार पर दबाव बरकरार रहेगा।

सीएलएसए ने एक रिपोर्ट में कहा है कि इसके विपरीत भारत को उसकी मजबूत आर्थिक वृद्धि और अपेक्षाकृत कम व्यापार जोखिम के कारण अधिक आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में देखा जा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि राष्ट्रपति के तौर पर ट्रंप का दूसरा कार्यकाल व्यापारिक प्रतिस्पर्धा में वृद्धि का संकेत देता है, ठीक ऐसे समय में जब निर्यात का चीन के विकास में सबसे बड़ा योगदान है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भले ही ट्रंप प्रशासन अमेरिका में मुद्रास्फीति बढ़ने के डर से शुल्क दरों पर ज्यादा सख्त कदम नहीं उठाए, लेकिन व्यापारिक लड़ाई में किसी भी तरह का इजाफा चीनी इक्विटी परिसंपत्तियों और उसकी मुद्रा के लिए बड़ी मुसीबत होगा। ऐसा इसलिए भी कि चीन की आर्थिक वृद्धि 2018 की तुलना में अब निर्यात पर अधिक निर्भर हो गई है।

नैशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) के प्रोत्साहन से अर्थव्यवस्था को कोई लाभ नहीं होगा। इसके अलावा, अमेरिका में ऊंचा यील्ड और मुद्रास्फीति के अनुमान फेड के लिए गुंजाइश कम कर रहे हैं। सीएलएसए ने कहा कि चीन के नीति निर्माताओं को अपस्फीति, संपत्ति की कीमतों में गिरावट, युवा बेरोजगारी में वृद्धि, परिवारों के आत्मविश्वास में कमी, रियल एस्टेट निवेश में ठहराव जैसी कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

- **सीएलएसए ने कहा है कि भारत को उसकी मजबूत आर्थिक वृद्धि और अपेक्षाकृत कम व्यापार जोखिम के कारण अधिक आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में देखा जा रहा है**
- **राष्ट्रपति के तौर पर ट्रंप का दूसरा कार्यकाल व्यापारिक प्रतिस्पर्धा में वृद्धि का संकेत देता है, ठीक ऐसे समय में जब निर्यात का चीन के विकास में सबसे बड़ा योगदान है**
- **ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका में मुद्रास्फीति बढ़ने के डर से शुल्क दरों पर ज्यादा सख्त कदम नहीं उठाए, लेकिन व्यापारिक लड़ाई में किसी भी तरह का इजाफा चीनी इक्विटी परिसंपत्तियों और उसकी मुद्रा के लिए बड़ी मुसीबत होगा**

इसके विपरीत भारत ट्रंप की प्रतिकूल व्यापार नीति से सबसे कम प्रभावित होने वाले क्षेत्रीय बाजारों में से एक नजर आ रहा है। भारत को लेकर अहम जोखिम निर्गमों से पूंजी जुटाने की भरमार है जिनकी बाजार में बाढ़ आ गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है, 'भारत में अक्टूबर के बाद से विदेशी निवेशकों की भारी शुद्ध बिकवाली देखी गई है, जबकि इस वर्ष हमने जिन निवेशकों से मुलाकात की, वे भारत में कम निवेश की स्थिति से निपटने के लिए विशेष रूप से ऐसे खरीद अवसर की प्रतीक्षा कर रहे थे। घरेलू तौर पर जोखिम सहन करने की क्षमता मजबूत बनी हुई है जो विदेशी चिंताओं को कम कर दे रही है। हालांकि मूल्यांकन महंगा है, लेकिन अब थोड़ा अधिक आकर्षक लग रहा है।'

एक महीने में 23 प्रतिशत तक गिर गए ऑटो शेयर

शिवम त्यागी
नई दिल्ली, 15 नवंबर

प्रमुख वाहन और कलपुर्जा निर्माता कंपनियों के शेयरों को कुछ समय से दबाव का सामना करना पड़ रहा है। पिछले चार सप्ताह में इनमें से कुछ शेयरों में 23 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। इस दौरान संवर्द्धन मदरसन इंटरनैशनल (एसएमआईएल) 22.8 प्रतिशत, एक्साइड इंडस्ट्रीज 21.1 प्रतिशत, बजाज ऑटो 20.3 प्रतिशत, हीरो मोटोकॉर्प 17.1 प्रतिशत और टाटा मोटर्स 16.5 प्रतिशत तक गिरे हैं।

बॉश, टीवीएस मोटर कंपनी, मारुति सुजूकी इंडिया, भारत फोर्ज और एमआरएफ जैसे शेयर अक्टूबर के आखिरी दो सप्ताह और नवंबर के पहले दो सप्ताह में 15 से 18 प्रतिशत के बीच टूट गए। निफ्टी ऑटो पिछले एक महीने में 13.4 प्रतिशत टूटा जबकि निफ्टी-50 में 6.3 प्रतिशत कमजोरी आई। यह गिरावट यात्री और वाणिज्यिक वाहनों की मांग में लगातार कमी की आशंका के कारण आई है।

विश्लेषकों का मानना है कि शेयरों में गिरावट कमजोर मासिक बिक्री, डीलरों के पास वाहनों का ज्यादा भंडार होने और उत्पादन में नरमी की वजह से आई है। कमजोर मांग की वजह से निर्माता उत्पादन में कमी कर रहे हैं। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में रिटेल रिसर्च के प्रमुख दीपक जसानी ने कहा, 'हालांकि त्योहारी सीजन के दौरान कुछ पुराना स्टॉक खप गया लेकिन हमें अभी यह पूरी तरह से पता नहीं चला है कि अक्टूबर के अंत तक डीलरों के पास कितने वाहन बिना बिके पड़े थे।'

शेयरों पर चोट

- **विश्लेषकों का कहना है कि बड़ी कमजोरी के बाद अब गिरावट का जोखिम सीमित**
- **शेयरों में गिरावट कमजोर मासिक बिक्री, डीलरों के पास ज्यादा वाहन जमा होने और उत्पादन में नरमी की वजह से आई**
- **संवर्द्धन मदरसन इंटरनैशनल 22.8 प्रतिशत, एक्साइड इंडस्ट्रीज 21.1 प्रतिशत, बजाज ऑटो 20.3 प्रतिशत, हीरो मोटोकॉर्प 17.1 प्रतिशत और टाटा मोटर्स 16.5 प्रतिशत तक गिरे हैं**

मारुति सुजूकी के चेयरमैन आर सी भार्गव ने बिजनेस स्टैंडर्ड के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि महामारी के बाद कारों की मांग का जो सिलसिला फिर से तेज हुआ था, वह अब कमजोर पड़ गया है। इसकी वजह सेमीकंडक्टरों की आपूर्ति में कमी रही जिससे उत्पादन पर असर पड़ा। भार्गव ने कहा, 'इस साल हम 10 लाख रुपये से कम कीमत वाले कार सेगमेंट में धीमी वृद्धि देख रहे हैं। यह सेगमेंट बाजार में दो-तिहाई योगदान देता है। सिर्फ 10 लाख से अधिक कीमत वाली कारों की बिक्री बढ़ रही है। इसलिए कुल बिक्री सुस्त है।'

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में भारतीय वाहन रिटेल क्षेत्र ने 6.55 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

सितंबर 2024 में ऑटो रिटेल क्षेत्र ने कुल बिक्री में सालाना आधार पर 9.26 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की। दोपहिया में 8.51 प्रतिशत, यात्री वाहनों में 18.81 प्रतिशत और वाणिज्य वाहनों में सालाना आधार पर 10.45 प्रतिशत की गिरावट आई। अक्टूबर 2024 में त्योहारी मांग की वजह से वृद्धि में सुधार आया और दोपहिया ने सालाना आधार पर 11 प्रतिशत, ट्रैक्टर खंड में 29 प्रतिशत और यात्री वाहनों की बिक्री में 4 प्रतिशत तक की तेजी आगई लेकिन तिपहिया बिक्री 3 प्रतिशत तक घट गई।

निवेश रणनीति

कमजोर मांग के बावजूद विश्लेषकों का कहना है कि वाहन शेयरों में ताजा गिरावट की वजह से बड़ी गिरावट का जोखिम अब सीमित है। इससे दीर्घावधि निवेशकों के लिए अवसर है। जसानी के अनुसार अल्पावधि में वाहन शेयरों को अभी भी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन उनका मानना है कि ग्रामीण इलाकों में फसल कटाई सीजन शुरू होने की वजह से कुछ सप्ताह में सुधार देखा जा सकता है। आकर्षक मूल्यांकन की वजह से उन्हें दोपहिया सेगमेंट पसंद है, क्योंकि यात्री वाहन सेगमेंट को रिकवर होने में ज्यादा वक्त लग सकता है।

एचआर फर्म सीआईईएल लाएगी 450 करोड़ रुपये का आईपीओ

शाइन जैकब
चेन्नई, 15 नवंबर

मानव संसाधन समाधान मुहैया कराने के लिए तकनीक का इस्तेमाल करने वाली सीआईईएल एचआर सर्विसेज करीब 450 करोड़ रुपये का आईपीओ ला रही है। सूत्रों का कहना है कि शुक्रवार को उसने डीआरएचपी जमा करा दिया। टीमलीज सर्विसेज के बाद यह सूचीबद्ध होने वाली दूसरी एचआर समाधान फर्म होगी। टीमलीज नियुक्तियां करती है और सीआईईएल ऐंड टु ऐंड एचआर समाधान मुहैया कराती है।

निवेश बैंकिंग और उद्योग के सूत्रों के अनुसार सार्वजनिक पेशकश में करीब 350 करोड़ रुपये के नए शेयर होंगे और शेष पुराने शेयरधारकों का ओएफएस होगा। आईपीओ के लीड मैनेजर एंबिट, सेंट्रम कैपिटल और एचडीएफसी बैंक हैं। सीआईईएल के प्रवर्तक हैं पंडियाराजन करुप्पासामी (सीआईईएल एचआर समूह के चेयरपर्सन व कार्यकारी निदेशक), हेमलता राजन, आदित्य नारायण मिश्र, संतोष कुमार नायर और दुरैस्वामी राजीव कृष्णन।

इक्रा की अगस्त में जारी रिपोर्ट के मुताबिक स्टाफिंग इंडस्ट्री में प्रवर्तकों के लंबे अनुभव ने कंपनी को अपने हितधारकों के साथ संबंध कायम करने और पिछले कुछ वर्षों में खासी रफ्तार से वृद्धि दर्ज करने में मदद की है। वेबसाइट के मुताबिक कंपनी का गठन 2015 में हुआ और भारत के 43 शहरों में उसके 92 कार्यालय हैं। उसने 30 जून, 2024 तक विभिन्न क्षेत्रों की 3,958 कंपनियों को अपनी सेवाएं दी हैं।

सार्वजनिक पेशकश के तहत करीब 350 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी हो सकते हैं और बाकी ओएफएस होगा

वित्त वर्ष 2024 में कंपनी की परिचालन आय 1,085.7 करोड़ रुपये रही। कंपनी का कर पश्चात लाभ 10.8 करोड़ रुपये रहा। वित्त वर्ष 19 से वित्त वर्ष 24 में कंपनी का राजस्व 42.3 फीसदी सालाना चक्रवृद्धि की रफ्तार से बढ़ा। इक्रा के मुताबिक वित्त वर्ष 23 व वित्त वर्ष 24 में कंपनी की राजस्व वृद्धि करीब 54 फीसदी व 36 फीसदी रही।

बाजार के अनुमान से पीछे एमएफआई, ओएमसी

जिंस क्षेत्र की कंपनियों, पीएसयू बैंकों ने बढ़त के साथ चौंकाया

कंपनियों का प्रदर्शन

क्षेत्र	खराब प्रदर्शन (%)	क्षेत्र	बेहतर प्रदर्शन (%)
एमएफआई	100	स्टील व खनन	75
तेल रिफाइनिंग व मार्केटिंग	100	पीएसयू बैंक	75
टिकाऊ उपभोक्ता	75	इंटरनेट	73
स्मॉल फाइनैंस बैंक	67	फार्मा	70
ऑटो ओईएम	67	एएमसी	67

स्रोत : जेएम फाइनैंशियल

सितंबर 2024 में समाप्त तिमाही में भारतीय कंपनी जगत का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और ज्यादातर कंपनियां आय के मोर्चे पर बाजार की उम्मीदों से पीछे रही हैं। हालांकि सभी क्षेत्रों का प्रदर्शन बुरा नहीं रहा। एक रिपोर्ट में जेएम फाइनैंशियल ने क्षेत्रवार प्रदर्शन का विश्लेषण कर यह बताने की कोशिश की है कि किसने अच्छा किया और किसने खराब।

अध्ययन से पता चलता है कि ज्यादातर माइक्रोफाइनैंस इंस्टिट्यूशंस (एमएफआई) और तेल रिफाइनिंग और मार्केटिंग क्षेत्र की कंपनियां अनुमान से पीछे रहीं। दूसरी ओर, जिंस क्षेत्र की कंपनियों और सरकारी स्वामित्व वाले बैंकों ने मोटे तौर पर अनुमान से बेहतर प्रदर्शन किया। कुल मिलाकर ब्रोकरेज की तरफ से विश्लेषण में शामिल 45 फीसदी कंपनियां अनुमान पर खरी उतरने में नाकाम रहीं।

नोट में कहा गया है कि हमने 227 कंपनियों के नतीजों का विश्लेषण किया (जेएम फाइनैंशियल के कवरेज में कुल 275 कंपनियां हैं) और निष्कर्ष निकाला कि 45 फीसदी कंपनियां अनुमान से चूक गईं। एफएमसीजी, खुदरा, वाहन और मॉल ऑपरेटरों के मामलों में शहरी क्षेत्रों की मांग नरम रही। केमिकल, टिकाऊ उपभोक्ता और बिल्डिंग मैटीरियल से जुड़ी कंपनियों ने मांग में थोड़ा सुधार देखा है। एमएफआई, निजी क्षेत्र के चुनिंदा बैंकों और एनबीएफसी अपने असुरक्षित खातों में दबाव का सामना कर रही हैं।

नोट में कहा गया है कि दूसरी तिमाही के बाद दो तिहाई कंपनियों के आय अनुमान में संशोधन कर उसे घटाया गया है जबकि करीब 50 फीसदी ने अपने लक्षित कीमतों में कटौती देखी है। जेएम फाइनैंशियल ने कहा कि मिड और स्मॉलकैप क्षेत्र में आय कटौती लार्जकैप के मुकाबले ज्यादा रही है। *सुंदर सेतुरामन*

भेदिया कारोबार पर एबीबी इंडिया को दी चेतावनी

एबीबी इंडिया को उसके दो कर्मचारियों के भेदिया कारोबार नियमों के उल्लंघन के मामले में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने आगाह किया है। एबीबी इंडिया ने शेयर बाजार को शुक्रवार को दी सूचना में बताया कि उसे 8 नवंबर, 2024 की तारीख वाला चेतावनी पत्र 14 नवंबर, 2024 को मिला।

कंपनी के अनुसार, ' कंपनी सचिव को कंपनी के दो नामित व्यक्तियों द्वारा सेबी (भेदिया कारोबार निषेध) विनियम, 2015 के उल्लंघन के लिए सेबी के उप-महाप्रबंधक से प्रशासनिक चेतावनी पत्र मिला है।' एबीबी विद्युतीकरण और स्वचालन की वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी है। *भाषा*

पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड
(पूर्व में दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के नाम से विदित)
सीआईएन : U65910MH1984PLC032639
पंजीकृत कार्यालय : यूनिट नं.–601, 6ठवां तल, अमिति बिल्डिंग, पीरामल अगस्त्य कॉर्पोरेट पार्क, कमानी जंक्शन, फायर स्टेशन के सम्मुख, एलबीएस मार्ग, कुर्ला (पश्चिम), मुंबई – 400 070
संपर्क हेतु व्यक्ति : बीनू कोरेमबेथ / गुरविंदर गुजराल । वेबसाइट : www.piramalfinance.com
ईमेल : Binu.Korembeth@piramal.com

पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड की अनिष्पादनकारी परिसंपत्तियों से समाविष्ट प्रतिभूत पोर्टफोलियो के विक्रय/ असाइनमेंट हेतु अभिरुचि की अभिव्यक्ति के लिये निमंत्रण

1. पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस (पीसीएचएफएल) 'स्विस चैलेंज विधि' के अंतर्गत **"अनिष्पादनकारी परिसंपत्तियों"** के रूप में सार्वजनिक सूचना के अंतर्गत तथा अपनी वित्तीय परिसंपत्तियों (यहाँ इसमें संदर्भित अनिष्पादनकारी परिसंपत्तियों अथवा ऋणगत क्षीणग्रस्त परिसंपत्तियों) के विक्रयार्थ परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनियों ("एआरसी")/बैंकों/वित्तीय संस्थानों / एनबीएफसी से अभिरुचि की अभिव्यक्ति ("ईओआई") निमंत्रित करती है।
2. विक्रयार्थ रखी गई अनिष्पादनकारी परिसंपत्तियों की कुल बकाया का 31 अक्टूबर 2024 तक का मुख्य मूल्य लगभग रु. 4,200,000,000 (केवल चार सौ बीस करोड़ रुपये) है।
3. कृपया ध्यान दें कि अनिष्पादनकारी परिसंपत्तियों को परिसंपत्ति(यों) के एक एकल / बहुल समूह (पीसीएचएफएल द्वारा चिन्हितानुसार) के रूप में बेचा जाएगा। विक्रय, सार्वजनिक सूचना प्रलेख में निर्धारित नियमों और शर्तों के अनुसार और वहाँ उसमें निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार संचालित किया जाता है। योग्य इच्छुक आवेदकगण पीसीएचएफएल की वेबसाइट (www.piramalfinance.com) पर सार्वजनिक सूचना प्रलेख देख सकते हैं।
4. अनिष्पादनकारी परिसंपत्तियों का विक्रय केवल **"जैसी हैं जहाँ हैं", "जैसी हैं जो हैं", "वहाँ जो कुछ भी हैं"** तथा **"बिना उपाय"** आधार पर **"100% नकद आधार"** पर किया जाना है।
5. कोई भी इच्छुक पक्षकार सार्वजनिक सूचना प्रलेख में निर्धारित नियमों व शर्तों के अनुसार अनिष्पादनकारी परिसंपत्तियों के विवरण प्राप्त करने के लिये आशय पत्र तथा अ–प्रकटीकरण अनुबंध का निष्पादन एवं प्रदायन करके अपनी अभिरुचि अभिव्यक्त कर सकता है।
6. पीसीएचएफएल के पास बिना कोई कारण बताये उक्त विक्रय के नियमों व शर्तों को बदलने, संशोधित करने अथवा पूल के आकार व संरचना को परिवर्तित करने तथा / या लेनदेन के किसी भी चरण में प्रस्तावित विक्रय को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है। इस संबंध में पीसीएचएफएल का निर्णय अंतिम, बाध्यकारी तथा निर्णायक होगा।

कृपया ध्यान दें कि विक्रय पीसीएचएफएल द्वारा अंतिम अनुमोदन किये जाने के अधीन होगा।
अधिक जानकारी के लिये, उपर्युक्त कार्यालय विवरणों में उल्लिखित प्राधिकृत अधिकारी से संपर्क करें।

स्थान : मुंबई **हस्ता./– कृते पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड**
दिनाँक : 16/11/2024 **प्राधिकृत अधिकारी**

मैनकाइंड फार्मा ने भारत सीरम्स का हिस्सा गिरवी रखा

अंजलि सिंह
मुंबई, 15 नवंबर

मैनकाइंड फार्मा ने कुल 5,000 करोड़ रुपये के गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्रों के लिए अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक भारत सीरम्स ऐंड वैक्सींस लिमिटेड (बीएसवी) की 39.68 फीसदी हिस्सेदारी कैटलिस्ट ट्रस्टीशिप लिमिटेड के पास गिरवी रखी है। यह कदम 10 अक्टूबर को क्रियान्वित तीन डिबेंचर ट्रस्ट डीड्स की व्यवस्था के तहत उठाया गया। इससे 5,000 करोड़ रुपये के एनसीडी जारी करना संभव हुआ।

गिरवी करार को 14 नवंबर को औपचारिक रूप दिया गया। इसके तहत

सुनिश्चित किया गया है कि बीएसवी के इक्विटी शेयर तब तक गिरवी रहेंगे जब तक कि एनसीडी का निपटान नहीं होता। कैटलिस्ट ट्रस्टीशिप एनसीडी धारकों के लाभ के लिए कॉमन सिक्योरिटी ट्रस्टी के तौर पर काम करेगा।

सितंबर में मैनकाइंड फार्मा ने ऐलान किया था कि वह एनसीडी और वाणिज्यिक प्रतिभूतियों के निजी नियोजन के आधार पर 10,000 करोड़ रुपये तक जुटाएगी। मैनकाइंड फार्मा ने 23 अक्टूबर को बीएसवी के पूर्ण स्वामित्व का अधिग्रहण किया था। गिरवी के लिए हालांकि किसी रकम का खुलासा नहीं किया गया है। लेकिन इस लेनदेन में संबंधित पक्षकार सौदा शामिल नहीं है और यह किसी स्कीम ऑफ अरेंजमेंट के बाहर है। कंपनी ने नियामकीय सूचना में ये बातें कही हैं। गिरवी के जरिये जुटाई गई रकम से मैनकाइंड फार्मा की रणनीतिक पहल और वृद्धि योजना को सहारा मिलने की उम्मीद है।

APPOINTMENTS

सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया
Central Bank of India
1911 से आपके लिए "केंद्रित" **"CENTRAL" TO YOU SINCE 1911**
चंदर मुखी, नरीमन पॉइंट, मुंबई-400 021
दूरभाष. 022-66387891, WebSite: **www.centralbankofindia.co.in**

सूचना प्रोद्योगिकी (आई टी) एवं अन्य क्षेत्रों में वेतनमान I, वेतनमान II, वेतनमान III, एवं वेतनमान IV में विभिन्न पदों में विशेषज्ञ अधिकारियों की भर्ती प्रक्रिया

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, सार्वजनिक क्षेत्र का एक प्रमुख बैंक है, जिसकी अखिल भारतीय शाखा नेटवर्क में 4500 से अधिक शाखाएं हैं, जिनका कुल व्यवसाय ₹6,40,000 करोड़ से अधिक है और जो 33000 से अधिक कर्मचारियों की प्रतिबद्ध टीम द्वारा संचालित है, विशेषज्ञ संवर्ग (सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य स्ट्रीम) में वरिष्ठ प्रबंधन श्रेणी वेतनमान IV में मुख्य प्रबंधकों, मध्य प्रबंधन श्रेणी वेतनमान III में वरिष्ठ प्रबंधकों, मध्य प्रबंधन श्रेणी वेतनमान II में प्रबंधकों एवं कनिष्ठ प्रबंधन श्रेणी वेतनमान I में सहायक प्रबंधकों के पद के लिए अनुभवी/योग्य पेशेवरों की भर्ती का प्रयोजन करता है.

ऑनलाइन आवेदन की प्रारंभिक तिथि **18.11.2024 (सोमवार)** है.

अधिक जानकारी के लिये अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे बैंक की वेबसाइट **https://www.centralbankofindia.co.in** देखें.

स्थान: मुम्बई
दिनांक: 16.11.2024 **महाप्रबंधक (मानव संपदा प्रबंधन)**

पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड
(पूर्व में दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के नाम से विदित)
सीआईएन : U65910MH1984PLC032639
पंजीकृत कार्यालय : यूनिट नं.–601, 6ठवां तल, अमिति बिल्डिंग, पीरामल अगस्त्य कॉर्पोरेट पार्क, कमानी जंक्शन, फायर स्टेशन के सम्मुख, एलबीएस मार्ग, कुर्ला (पश्चिम), मुंबई – 400 070
संपर्क हेतु व्यक्ति : बीनू कोरेमबेथ / गुरविंदर गुजराल । वेबसाइट : www.piramalfinance.com
ईमेल : Binu.Korembeth@piramal.com

पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड की अनिष्पादनकारी परिसंपत्तियों के अप्रतिभूत पोर्टफोलियो के विक्रय / असाइनमेंट हेतु अभिरुचि की अभिव्यक्ति के लिये निमंत्रण

1. पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस (पीसीएचएफएल) 'स्विस चैलेंज विधि' के अंतर्गत **"अनिष्पादनकारी परिसंपत्तियों"** के रूप में सार्वजनिक सूचना के अंतर्गत तथा अपनी वित्तीय परिसंपत्तियों (यहाँ इसमें संदर्भित अनिष्पादनकारी परिसंपत्तियों अथवा ऋणगत क्षीणग्रस्त परिसंपत्तियों) के विक्रयार्थ परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनियों ("एआरसी") / बैंकों / वित्तीय संस्थानों / एनबीएफसी से अभिरुचि की अभिव्यक्ति ("ईओआई") निमंत्रित करती है।
2. विक्रयार्थ रखी गई अनिष्पादनकारी परिसंपत्तियों की कुल बकाया का 31 अक्टूबर 2024 तक का मुख्य मूल्य लगभग रु. 2,820,000,000 (केवल दो सौ बयासी करोड़ रुपये) है।
3. कृपया ध्यान दें कि अनिष्पादनकारी परिसंपत्तियों को परिसंपत्ति(यों) के एक समूह के रूप में बेचा जाएगा। विक्रय, सार्वजनिक सूचना प्रलेख में निर्धारित नियमों और शर्तों के अनुसार और वहाँ उसमें निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार संचालित किया जाता है। योग्य इच्छुक आवेदकगण पीसीएचएफएल की वेबसाइट (www.piramalfinance.com) पर सार्वजनिक सूचना प्रलेख देख सकते हैं।
4. अनिष्पादनकारी परिसंपत्तियों का विक्रय केवल **"जैसी हैं जहाँ हैं", "जैसी हैं जो हैं", "वहाँ जो कुछ भी हैं"** तथा **"बिना उपाय"** आधार पर **"100% नकद आधार"** पर किया जाना है।
5. कोई भी इच्छुक पक्षकार सार्वजनिक सूचना प्रलेख में निर्धारित नियमों व शर्तों के अनुसार अनिष्पादनकारी परिसंपत्तियों के विवरण प्राप्त करने के लिये आशय पत्र तथा अ–प्रकटीकरण अनुबंध का निष्पादन एवं प्रदायन करके अपनी अभिरुचि अभिव्यक्त कर सकता है।
6. पीसीएचएफएल के पास बिना कोई कारण बताये उक्त विक्रय के नियमों व शर्तों को बदलने, संशोधित करने अथवा पूल के आकार व संरचना को परिवर्तित करने तथा / या लेनदेन के किसी भी चरण में प्रस्तावित विक्रय को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है। इस संबंध में पीसीएचएफएल का निर्णय अंतिम, बाध्यकारी तथा निर्णायक होगा।

कृपया ध्यान दें कि विक्रय पीसीएचएफएल द्वारा अंतिम अनुमोदन किये जाने के अधीन होगा।
अधिक जानकारी के लिये, उपर्युक्त कार्यालय विवरणों में उल्लिखित प्राधिकृत अधिकारी से संपर्क करें।

स्थान : मुंबई **हस्ता./– कृते पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड**
दिनाँक : 16/11/2024 **प्राधिकृत अधिकारी**